Sense International India

2nd Floor, Administrative Block, Andhjan Mandal Campus,
Vastrapur, Ahmedabad- 380 015. Gujarat, India.
Phone: 91-79-26301282; Telefax: 91-79-26301590
Deafblind helpline: 1 800 233 7913; www.senseintindia.org

Individual Education Program Format
व्यक्तिगत शिक्षणिक कार्यक्रम प्रारूप

The Individualized Education Program (IEP) is a written education plan that describes the education and related services. It is called so (Individualised), because the education / training programme is specifically designed to meet the learning needs of the student rather than general syllabus for a group or class full of such students. The IEP also specifies the instructional strategies to be used with the individual, his/her interests and likes, preferred mode of learning, pace and speed of learning, and limitations due to other associated problems including motor difficulties. In other words, it is a complete education / rehabilitation program, that will be implemented for an individual, for a specific period of time. Thus, the main aim of the IEP is to provide appropriate education and training to the student. व्यक्तिगत शिक्षणिक कार्यक्रम (आईईपी) एक लिखित शिक्षा योजना है जो शिक्षा एवं संबंधित सेवाओं का वर्णन करती है। इसे 'व्यक्तिगत' इसलिए कहा जाता है क्योंकि यह शिक्षा/प्रशिक्षण कार्यक्रम विशेष रूप से छात्र की सीखने की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, न कि ऐसे छात्रों के एक समूह या कक्षा के लिए सामान्य पाठ्यक्रम। आईईपी में उस विशेष छात्र के लिए उपयोग की जाने वाली शिक्षण रणनीतियों, उसकी रुचियों एवं पसंद, अधिगम की पसंदीदा विधि, सीखने की गति एवं अन्य संबंधित समस्याओं सहित मोटर कठिनाइयों जैसी सीमाओं का भी उल्लेख होता है। दूसरे शब्दों में, यह एक पूर्ण शिक्षा/पुनर्वास कार्यक्रम है, जिसे एक निर्दिष्ट समय अवधि के लिए एक विशेष व्यक्ति पर लागू किया जाएगा। इस प्रकार, आईईपी का मुख्य उद्देश्य छात्र को उचित शिक्षा एवं प्रशिक्षण प्रदान करना है।

The IEP is a written plan that an educator follows for the student to meet his/her needs, to convert them into strengths, to reach out to them in the maximum possible manner to cultivate self-reliance. आईईपी एक लिखित योजना है जिसका अनुसरण एक शिक्षक छात्र की आवश्यकताओं को पूरा करने, उनकी कमजोरियों को उनकी ताकत में बदलने एवं आत्मनिर्भरता विकसित करने के लिए करता है।

IEP is both a beginning and an ending. It is a beginning of a new relationship with the educator's effort in terms of teaching strategies, selection of new creative material well suited for the student's needs and the student's effort to achieve new skills. It is an ending of the process of the environmental analysis and assessment of present level of functioning of the student, to be framed in the set of goals and objectives for drafting a curriculum for the student. आईईपी एक शुरुआत एवं एक अंत दोनों है। यह शिक्षक के प्रयासों की एक नई शुरुआत है, जिसमें शिक्षण रणनीतियों का चयन, छात्र की आवश्यकताओं के अनुरूप नवीन एवं रचनात्मक सामग्री का उपयोग एवं छात्र का नए कौशल प्राप्त करने का प्रयास शामिल है। यह पर्यावरणीय विश्लेषण एवं छात्र के वर्तमान स्तर की कार्यक्षमता के आकलन की प्रक्रिया का अंत भी है, जिसे लक्ष्यों एवं उद्देश्यों के एक सेट में ढालकर छात्र के लिए एक पाठ्यक्रम तैयार किया जाता है।

It is important to understand that the IEP is a management plan which covers the entire year. Its implementation lies with you as a teacher/trainer. It is the utmost ability of the teacher to translate the objectives of an IEP into much smaller workable components (instructional objectives) for the student. यह समझना महत्वपूर्ण है कि आईईपी एक प्रबंधन योजना है जो पूरे वर्ष को कवर करती

है। इसे लागू करना शिक्षक/प्रशिक्षक की जिम्मेदारी है। शिक्षक की सर्वोच्च क्षमता होती है कि वह आईईपी के उद्देश्यों को छोटे-छोटे कार्यशील घटकों (निर्देशात्मक उद्देश्यों) में विभाजित कर छात्र के लिए शिक्षण को सुगम बनाए।

This Individual Education Program (IEP) format includes all the areas of development to be covered under needs-based education programme with focus on Deafblindness (Db) and Multiple Disabilities (MD). It further ensures that educators cover all important areas of development while planning their future goals, objectives and finalising the teaching strategies. यह व्यक्तिगत शिक्षणिक कार्यक्रम (आईईपी) प्रारूप उन सभी विकासात्मक क्षेत्रों को शामिल करता है जिन्हें बधिरांधता एवं बहु-विकलांगता की आवश्यकताओं पर आधारित शिक्षा कार्यक्रम के तहत समिलित किया जाना चाहिए। यह आगे सुनिश्चित करता है कि शिक्षक भविष्य के लक्ष्यों, उद्देश्यों की योजना बनाते समय एवं शिक्षण रणनीतियों को अंतिम रूप देते समय सभी महत्वपूर्ण विकासात्मक क्षेत्रों को शामिल करें।

This format will help in outlining the student's goals and a suggestive time-frame in which these goals should be achieved. The IEP also enables educator to describe the teaching strategies, resources, monitoring and support, and the evaluation required to facilitate the student to meet those goals. *This programme must be developed in a meeting between parents/caregivers, the student's teacher, the student (if s/he wishes to attend) and specialists as appropriate*. The aim is to identify current strengths, to set short and long term goals together with the student, and record their learning progress. It is also to identify: यह प्रारूप छात्र के लक्ष्यों को रेखांकित करने एवं उन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए एक सुझाए गए समय-सीमा को निर्धारित करने में सहायता करेगा। आईईपी शिक्षक को शिक्षण रणनीतियों, संसाधनों, निगरानी एवं समर्थन, एवं छात्र को उन लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करने के लिए आवश्यक मूल्यांकन को वर्णित करने में सक्षम बनाता है। *इस कार्यक्रम को माता-पिता / अभिभावकों, छात्र के शिक्षक, छात्र (यदि वह भाग लेना चाहता है) एवं आवश्यकतानुसार विशेषज्ञों के बीच एक बैठक में विकसित किया जाना चाहिए।* इसका उद्देश्य वर्तमान क्षमताओं की पहचान करना, छात्र के साथ मिलकर अल्पकालिक एवं दीर्घकालिक लक्ष्य निर्धारित करना एवं उनकी सीखने की प्रगति को दर्ज करना है। साथ ही, यह सुनिश्चित करना भी महत्वपूर्ण है:

- Teaching practices that will help the student to learn शिक्षण अभ्यास जो छात्र को सीखने में मदद करेंगी।
- Changes or adaptation that need to be made to the resources, materials and to the way the curriculum is taught to that student संसाधनों, सामग्रियों एवं पाठ्यक्रम की शिक्षण विधि में आवश्यक परिवर्तन या अनुकूलन।
- Any additional or specialised/assistive equipment that the individual needs छात्र को आवश्यक कोई अतिरिक्त या विशेष उपकरण।
- The best way to provide personal care, where required यदि आवश्यक हो, हो व्यक्तिगत देखभाल प्रदान करने का सर्वोत्तम तरीका।
- How parents/caregivers and families can support the learning programme at home माता-पिता/अभिभावक एवं परिवार घर पर सीखने के कार्यक्रम का समर्थन कैसे कर सकते हैं।
- Time frame, responsibilities and ways to monitor and evaluate a student's progress towards reaching goals. समय-सीमा, जिम्मेदारियाँ एवं लक्ष्यों तक पहुँचने की प्रगति की निगरानी एवं मूल्यांकन के तरीके।

The IEP should be **reviewed at least once or twice a year** in a meeting with parents/caregivers, and the same support team that developed the plan. It must be ensured that parents/caregivers receive a copy of the revised programme along with a report on the student's progress in the previous term after each meeting. आईईपी की समीक्षा वर्ष में कम से कम एक

या दो बार माता-पिता/अभिभावकों एवं उसी समर्थन टीम के साथ की जानी चाहिए जिसने योजना विकसित की थी। यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि प्रत्येक बैठक के बाद माता-पिता/ अभिभावकों को संशोधित कार्यक्रम की एक प्रति एवं पिछले सत्र में छात्र की प्रगति पर एक रिपोर्ट प्राप्त हो।

This IEP covers 15 areas and 25 sub areas of development starting from activities of daily living to vocational as well as job skills. **Planning for all the areas of development at the same time may not be meaningful as well as useful for the student. Therefore, it is suggested that special educators must prioritise and opt for the relevant areas, as per the needs, age, educational priorities and potential of the student**. It is advisable to collate all the activities which take place in any one area of development, as has been done for the communication (which is mentioned in every area separately), so that at the end of the year, a comprehensive understanding is developed about different activities that have been covered under specific areas of development. यह आईईपी १५ क्षेत्रों एवं २५ उप-क्षेत्रों को कवर करता है, जिसमें दैनिक जीवन की गतिविधियों से लेकर व्यावसायिक कौशल एवं रोजगार कौशल तक शामिल हैं। सभी विकासात्मक क्षेत्रों की एक साथ योजना बनाना न तो सार्थक होगा एवं न ही छात्र के लिए उपयोगी। इसलिए, यह सुझाव दिया जाता है कि विशेष शिक्षक छात्र की आवश्यकताओं, आयु, शैक्षिक प्राथमिकताओं एवं क्षमता के अनुसार प्रासंगिक क्षेत्रों को प्राथमिकता दें एवं उनका चयन करें। यह सलाह दी जाती है कि किसी भी एक विकासात्मक क्षेत्र में होने वाली सभी गतिविधियों को एक साथ जोड़ा जाए, जैसा कि संवाद (जो प्रत्येक क्षेत्र में अलग-अलग उल्लेखित है) के मामले में किया गया है, जिससे वर्ष के अंत में यह समझ विकसित हो कि विकासात्मक क्षेत्रों के तहत कौन-कौन सी गतिविधियाँ कवर की गईं।

Disclaimer: *"This format is a 'work in progress' document, which has been produced by Sense International (India) in collaboration with the Special Educators, Senior Professionals, and CBR workers to address the evolving needs of persons with deafblindness. The IEP underwent the field testing and has been validated from special educators, experts and training institutes in India, Bangladesh and Nepal.*

अस्वीकरण: इस प्रारूप का कार्य प्रगति पर है और सेंस इंटरनेशनल इंडिया द्वारा विशेष शिक्षकों, वरिष्ठ पेशेवरों और सामुदायिक आधारित पुनर्वास कार्यकर्ताओं के सहयोग से विकसित किया गया है, जिससे बधिरांध व्यक्तियों की बदलती आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके। इस आ० ई० पी० रूपरेखा का क्षेत्र परीक्षण किया गया है और इसे भारत, बांग्लादेश और नेपाल के विशेष शिक्षकों, विशेषज्ञों एवं प्रशिक्षण संस्थानों द्वारा मान्यता प्राप्त हुई है।

Section-1: General Information

अनुभाग-१: सामान्य जानकारी

Name of the student: **Date of Birth:**
छात्र का नाम: **जन्म तिथि:**

Gender: **Age:**
लिंग: **आयु:**

1. **Brief profile of the student highlighting the strengths: (In 10-15 sentences)**
   छात्र का संक्षिप्त विवरण, जिसमें उसकी ताकतें उजागर की गई हों (१०-१५ वाक्यों में)

_____

_____

_____

_____

_____

_____

2. **Date of developing IEP:**
   आईईपी विकसित करने की तिथि:

3. **Person(s) Responsible to implement the IEP:**
   आईईपी लागू करने के लिए उत्तरदायी व्यक्ति/व्यक्तियों के नाम:

4. **Language used for communicating with the student:**
   छात्र के साथ संवाद करने के लिए उपयोग की जाने वाली भाषा:

5. **IEP Team Members:**
   आईईपी टीम के सदस्य:

Sr. No. क्रम संख्या	Name नाम	Role of the member सदस्य की भूमिका

6. **Brief description about the family background (i.e. Education and occupation of parents and number of siblings) परिवार की संक्षिप्त पृष्ठभूमि (माता-पिता की शिक्षा एवं व्यवसाय, भाई-बहनों की संख्या)**

_____

_____

_____

_____

_____

7. Brief description about the student's behaviour, likes and dislikes, things that can be used as reinforcements and education/therapy given till now and his/her sensory issues (if any)?
छात्र के व्यवहार, पसंद-नापसंद, प्रोत्साहन के रूप में उपयोग की जा सकने वाली चीज़ें, अब तक दी गई शिक्षा/चिकित्सा एवं उसकी संवेदी समस्याओं (यदि कोई हों) के बारे में संक्षिप्त विवरण:

_____

_____

_____

_____

_____

8. Diagnosis and Condition of the student:
छात्र का चिकित्सकीय आंकलन एवं उसकी स्थिति:

Vision (दृष्टि)-

_____

_____

_____

Hearing (श्रवण)-

_____

_____

_____

Associated conditions (Clinical diagnosis for Biological, Neurological, Mental and Psychiatric e.g. ASD, ID, Epilepsy, Depression, Mania, Anxiety Disorder, Schizophrenia, etc)
संबंधित अवस्थाएँ (जैसे जैविक, तंत्रिका संबंधी, मानसिक एवं मनोरोग निदान - आत्मकेंद्रित, बौद्धिक विकलांगता, मिर्गी, अवसाद, उन्माद, चिंता विकार, सिज़ोफ्रेनिया, आदि):

_____

_____

_____

9. Other services required by the student (like medical services, physiotherapy, occupational therapy, speech therapy, counselling, etc)
छात्र को आवश्यक अन्य सेवाएँ (जैसे चिकित्सा सेवाएँ, फिजियोथेरेपी, व्यावसायिक चिकित्सा, स्पीच थेरेपी, परामर्श, आदि):

_____

_____

10. Briefly specify the medication history of the student. Is student at present under medications? If yes, specify the medicines and associated medical condition(s). छात्र की दवा संबंधी जानकारी: क्या छात्र वर्तमान में किसी दवा का सेवन कर रहा है? यदि हाँ, तो दवा का नाम एवं संबंधित चिकित्सा स्थिति का उल्लेख करें:

_____

_____

_____

11. Briefly describe parent's dreams and concerns for their child.
माता-पिता के अपने बच्चे के लिए सपने एवं चिंताओं का संक्षिप्त विवरण:

_____

_____

_____

12. Briefly describe the student's strengths, needs, opportunities and concerns in the table below
छात्र की ताकतें, आवश्यकताएँ, अवसर एवं चिंताओं का सारांश (तालिका में भरें)

Strengths (student specific) **ताकतें (छात्र-विशिष्ट)**	**Important needs to be addressed at present वर्तमान में ध्यान देने योग्य महत्वपूर्ण आवश्यकताएँ**	**Opportunities अवसर**	**Concerns (present and future) चिंताएँ (वर्तमान एवं भविष्य की)**
		For example: *Family Support, Access to Physiotherapy/Occupational therapy services* *Family business in which the student could play some role in the future, etc.* *उदाहरण:* *परिवार का सहयोग, फिजियोथेरेपी/व्यावसायिक चिकित्सा सेवाओं की उपलब्धता पारिवारिक व्यवसाय, जिसमें छात्र भविष्य में किसी भूमिका को निभा सकता है।*	*For example:* *Health and medical conditions* *Family support* *Transition Planning* *Vocational Planning* *Behavioural Issues* *Sensory Issues* *etc.* *उदाहरण:* *स्वास्थ्य एवं चिकित्सा स्थितियाँ, पारिवारिक सहयोग, संक्रमण योजना, व्यावसायिक योजना, व्यवहार संबंधी समस्याएँ, संवेदी समस्याएँ आदि।*

Name & Signature of IEP team members: Date:
आईईपी टीम के सदस्यों के नाम एवं हस्ताक्षर: तिथि:

Areas of Intervention:

हस्तक्षेप के क्षेत्र:

1. Personal Care

   व्यक्तिगत देखभाल

   1.1. Toileting शौचालय संबंधी आदतें

   1.2. Brushing ब्रश करना

   1.3. Eating भोजन करना

   1.4. Drinking पीना

   1.5. Bathing स्नान करना

   1.6. Dressing (wearing shirt, pants, socks and shoes, fastening buttons, zippers, etc.) कपड़े पहनना (शर्ट, पैंट, मोज़े एवं जूते पहनना, बटन एवं ज़िप लगाना आदि)

   1.7. Grooming (combing and oiling hair, applying cream/talcum body, wearing perfume, etc) संवारना (बालों में तेल लगाना एवं कंघी करना, क्रीम/पाउडर लगाना, इत्र पहनना आदि)

   1.8. Personal Hygiene (cutting nails, washing hands before eating; after toileting, shampooing hair, wearing washed clothes, menstrual care, shaving, personal grooming etc) व्यक्तिगत स्वच्छता (नाखून काटना, खाने से पहले एवं शौचालय के बाद हाथ धोना, शैम्पू करना, स्वच्छ कपड़े पहनना, मासिक धर्म की देखभाल, दाढ़ी बनाना आदि)

   1.9. Safety (protection from fire, handling electrical gadgets, crossing roads, unfamiliar people, etc. सुरक्षा (आग से बचाव, बिजली के उपकरणों का संभालना, सड़क पार करना, अपरिचित लोगों से सावधान रहना आदि)

2. Motor skills (running, jumping, walking, rolling hands, cutting with scissors, writing, colouring, etc.) मोटर कौशल (दौड़ना, कूदना, चलना, हाथ घुमाना, कैंची से काटना, लिखना, रंग भरना आदि)

   2.1 Fine motor: rolling with hands, cutting with scissors, scribbling, colouring, writing, turning pages of a book, zipping a zipper, different kinds of hand grips (pincer, palmer, tripod, etc). फ़ाइन मोटर कौशल: हाथों से वस्तुओं को घुमाना, कैंची से काटना, लिखना, रंग भरना, किताब के पृष्ठ पलटना, ज़िप बंद करना, विभिन्न प्रकार की पकड़ (पिंसर, पामर, ट्राइपॉड आदि)

   2.2 Gross motor: roll over, pushing, pulling, head control, crawling, sitting upright, walking, climbing, running, jumping, etc.

   ग्रॉस मोटर कौशल: करवट लेना, धक्का देना, खींचन, सिर का नियंत्रण, घुटनों के बल चलना, सीधे बैठना, चलना, चढ़ना, दौड़ना, कूदना आदि।

3. Orientation and Mobility Skills (O&M) (Orientation skills allow us to know where we are, where we are going, and how to think about and plan strategies for getting to a destination. Mobility involves the actual movement from place to place.) अनुस्थिति एवं गतिशीलता कौशल (ओ एण्ड एम) (अनुस्थिति कौशल हमें

यह जानने में सहायता करते हैं कि हम कहाँ हैं, हमें कहाँ जाना है, और वहाँ तक पहुँचने के लिए कैसे सोचना और रणनीति बनानी है। गतिशीलता का अर्थ है एक स्थान से दूसरे स्थान तक वास्तविक रूप से चलना या स्थानांतरण करना।*)*

3.1 Basic O&M skills (developing sensory awareness, directionality, spatial concepts, searching skills, learning protective techniques, etc.)

3.2 Advanced O&M skills (learning to move with sighted guide, trailing, independent movement, use of landmarks and cues, tactile maps, cane skills, etc.)

4. Communication (The process by which information, meanings and feelings are shared by persons through the exchange of non-verbal and verbal messages such as language, written symbols, gestures, cue, object symbols, signs, pictures, etc.) संवाद कौशल *(*सूचनाओं, भावनाओं एवं अर्थों का आदान-प्रदान विभिन्न संवाद विधियों जैसे कि भाषा, लिखित प्रतीक, इशारे, संकेत, वस्तु प्रतीक, चित्र आदि के माध्यम से करना)

   4.1 Receptive:
   ग्रहणशील संवाद**:**
   4.2 Expressive:
   प्रतक्रियात्मक संवाद

5. Social Interactions (skills necessary to develop and maintain social contacts such as greeting people, initiating and maintaining communication, developing friendship, etc.) **सामाजिक संपर्क** *(*लोगों का अभिवादन करना, बातचीत शुरू करना एवं बनाए रखना, दोस्ती विकसित करना आदि*)*

6. Sensory Abilities (abilities in student to gain maximum information from the environment by using his/her residual senses) संवेदी क्षमताएं *(*वातावरण से अधिकतम जानकारी प्राप्त करने के लिए अवशिष्ट इंद्रियों का उपयोग करना*)*

   6.1. Vision:
   दृष्टि
   6.2. Hearing and speech:
   श्रवण एवं भाषण
   6.3. Touch:
   स्पर्श
   6.4. Taste:
   स्वाद
   6.5. Smell:
   गंध

7. Leisure and recreation (enjoyable play activities done with or by student during his/her free time, either with other student or by himself/herself) फुर्सत एवं मनोरंजन *(*खेल एवं गतिविधियां जो छात्र अपने खाली समय में अकेले या अन्य छात्रों के साथ आनंद के लिए करता है)

8. Cognition (process of knowing things, their functions, forming concepts, attention, memory, reasoning, categorization, classification, judgment, etc.) संज्ञानात्मक कौशल *(*चीजों को जानना, उनकी कार्यप्रणाली, अवधारणाओं का निर्माण, ध्यान, स्मरण, तर्क, वर्गीकरण, निर्णय लेना आदि*)*

9. Sex Education (To be planned for all age groups. It includes areas such as identifying body parts, appropriate touch, privacy (private body parts, private act, private space), gender, etc.) यौन शिक्षा *(*सभी आयु वर्गों के लिए योजना बनाना जिसमें शरीर के अंगों की पहचान, उचित स्पर्श, गोपनीयता, लिंग आदि शामिल हैं)

10. Pre-Literacy

    पूर्व-साक्षरता

    - Pre-Math (Colour, Time, Shape, Size, Weight, Volume, Measurement, etc.) पूर्व-गणित (रंग, समय, आकार, आकार, वजन, मात्रा, माप आदि*)*
    - Pre-Writing (scribbling, drawing, colouring, different types of lines, etc.) पूर्व-लेखन (रेखाएं खींचना, चित्र बनाना, रंग भरना, विभिन्न प्रकार की रेखाएं आदि*)*
    - Pre-Reading (matching, left to right, up to down, how to hold a book, turn page, etc.) पूर्व-पठन (मिलान करना, बाएं से दाएं, ऊपर से नीचे पढ़ना, किताब पकड़ना, पृष्ठ पलटना आदि*)*
    - Pre-Braille (tactile identification and discrimination- textures, shapes, sizes, dots, gap/space in between; spatial concepts; bi-lateral hand use; etc.) पूर्व-ब्रेल (स्पर्श संवेदना का विकास, बनावट, आकार, स्थानिक अवधारणाएं, दोनों हाथों का उपयोग आदि*)*

11. Literacy (Reading, Writing, Numbers, Arithmetic or Maths, Braille reading and writing) साक्षरता *(*पढ़ना, लिखना, अंक, अंकगणित, ब्रेल पढ़ना एवं लिखना आदि*)*

12. Pre – Vocational / Job Skills (For age 14 years and above) - discipline, team work, adjusting to new environment, problem solving, time management, working independently to develop products or in a work area, communication skills with boss/colleague/subordinate, etc.) पूर्व-व्यावसायिक/नौकरी कौशल *(*१४ वर्ष एवं उससे अधिक उम्र के लिए) - अनुशासन, टीम वर्क, नई परिस्थितियों के साथ समायोजन, समस्या समाधान, समय प्रबंधन, स्वतंत्र रूप से कार्य करना, संवाद कौशल आदि।

13. Behavioural (managing socially inappropriate and non-acceptable behaviour that hampers daily educational activities at school or routine activities at home such as stubbornness, biting, hitting, etc.) व्यवहार संबंधी कौशल (वे व्यवहार जो स्कूल में शिक्षा एवं घर की दिनचर्या में बाधा डालते हैं, जैसे हठ, काटना, मारना आदि को प्रबंधित करना)

14. Independent Living area (For age 18 yrs and above) - home management, independent travel, home economics-budgeting, etc. स्वतंत्र जीवन कौशल *(*१८ वर्ष एवं उससे अधिक उम्र के लिए) - घर प्रबंधन, स्वतंत्र यात्रा, बजट बनाना आदि।

15. Mental Health (It includes the array of genetic, biological, psychological and social factors. There are five sub areas which covers the following aspects as mentioned below.) *(*विभिन्न जैविक, मनोवैज्ञानिक एवं सामाजिक कारकों को शामिल करना*)*

    15.1 Behavioural: (The sub area includes bullying, suicide attempts, harming behaviour such as cutting, biting, scratching, throwing, kicking things, shouting, yelling, physically overpowering someone, loss of interest, nervousness, get scared easily etc.) व्यवहार संबंधी समस्याएं (बदमाशी, आत्महत्या के प्रयास, आत्म-क्षति, चिल्लाना, हावी होना, डर लगना आदि*)*

    15.2 Emotional: (The sub area includes sadness, happiness, crying, calmness, relaxed, feeling exhausted, hopelessness etc.) *सामाजिक समस्याएं (सामाजिक समूह, उपेक्षित महसूस करना,*

ध्यान आकर्षित करना, परिचित स्थानों से बचना आदि)

15.3 Social: (The sub area includes peer group, social circle, neglected, attention seeking behaviour, avoid going to known places etc.)

15.4 Cognitive and Physiological Regulation: (The sub area includes decision making, unable to think clearly, distrust, suspicious behaviour, experience bad dreams, nightmares, flashbacks, headaches, get tired easily, gets upset etc.) संज्ञानात्मक एवं शारीरिक नियमन (निर्णय लेने में कठिनाई, स्पष्ट रूप से न सोच पाना, अविश्वास, बुरे सपने, सिरदर्द, थकान आदि)

15.5 Substance Use: (The sub area includes the usage of alcohol, drugs, smoking cigarettes, sniffing glue/whitener, eating tobacco etc.) नशीली दवाओं का उपयोग (शराब, ड्रग्स, सिगरेट, गोंद/व्हाइटनर सूंघना, तंबाकू खाना आदि)

Functional Assessment Report

कार्यात्मक आंकलन रिपोर्ट

(Write current performance level of the student in 15 areas consisting of 25 sub areas of intervention)

(हस्तक्षेप के २५ उप-क्षेत्रों सहित १५ क्षेत्रों में विद्यार्थी के वर्तमान प्रदर्शन स्तर को लिखें)

Section-2: Goals and objectives (Goals should be selected only after doing Functional Assessment of all 15 areas and 25 sub areas of IEP. Goals are selected based on current level, needs, concerns, and age)
अनुभाग-२: लक्ष्य एवं उद्देश्य (लक्ष्यों का चयन केवल आईईपी के सभी १५ क्षेत्रों एवं २५ उप-क्षेत्रों के कार्यात्मक मूल्यांकन के बाद ही किया जाना चाहिए। लक्ष्यों का चयन वर्तमान स्तर, आवश्यकताओं, चिंताओं एवं आयु के आधार पर किया जाता है।)

(Note: Write Annual Goal, four short term objectives, and details of quarter 1, at the beginning of the academic year) (नोट: शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत में वार्षिक लक्ष्य, चार लघु अवधि के उद्देश्य एवं पहले तिमाही के विवरण लिखें।)

Area of Intervention: _____ Sub-Area: _____
हस्तक्षेप का क्षेत्र: _____ उप-क्षेत्र: _____

Current level of performance (for area and sub-area):
वर्तमान प्रदर्शन स्तर (क्षेत्र एवं उप-क्षेत्र के लिए):

Long Term / Annual goal (make it SMART):
दीर्घकालिक/वार्षिक लक्ष्य (इसे SMART बनाएं):

Q1. Objective / Short term goal (make it SMART): (From Date: …… to: ……..)
Q1. उद्देश्य/लघु अवधि का लक्ष्य (इसे SMART बनाएं): (तिथि से: ..... तक:.....)

Q2. Objective / Short term goal (make it SMART): (From Date: …… to: ……..)
Q2. उद्देश्य/लघु अवधि का लक्ष्य (इसे SMART बनाएं): (तिथि से: ..... तक: .....)

Q3. Objective / Short term goal (make it SMART): (From Date: …… to: ……..)
Q3. उद्देश्य/लघु अवधि का लक्ष्य (इसे SMART बनाएं): (तिथि से: ..... तक: .....)

Q4. Objective / Short term goal (make it SMART): (From Date: …… to: ……..)
Q4. उद्देश्य/लघु अवधि का लक्ष्य (इसे SMART बनाएं): (तिथि से: …… तक: ……)

Key Communication (words/phrases/sentences) to be developed (Q1):
प्रमुख संवाद (शब्द/वाक्यांश/वाक्य) जिसे विकसित किया जाना है (Q1):

Strategies for achieving the specified goal (Q3) *(mention the activities, reinforcement, teaching strategies and materials used)* **निर्धारित लक्ष्य प्राप्त करने की रणनीतियाँ (*Q1)*** (*गतिविधियाँ, प्रोत्साहन, शिक्षण रणनीतियाँ एवं प्रयुक्त सामग्री का उल्लेख करें)*:

Evaluation (Q1): *(present level of student after implementation of IEP, new strengths of the student recognized, difficulty faced by teacher during implementation of IEP, if any)* **मूल्यांकन (*Q1):*** (*आईईपी लागू करने के बाद छात्र का वर्तमान स्तर, पहचानी गई नई क्षमताएँ, शिक्षक द्वारा कार्यान्वयन के दौरान अनुभव की गई कठिनाइयाँ, यदि कोई हों*)

Coordinator's Signature:
समन्वयक का हस्ताक्षर:

Educator's Signature:
शिक्षक का हस्ताक्षर:

_____ _____

Note: Details of Quarter 2 to be written after completing Q1 evaluation
नोट: तिमाही १ (Q1) के मूल्यांकन को पूरा करने के बाद तिमाही २ (Q2) का विवरण लिखा जाएगा।

Q2. Objective/ Short term goal: (From Date: …… to: ……..)
Q2. उद्देश्य/लघु अवधि का लक्ष्य: (तिथि से: …… तक: ……..)

_____

_____

Current level of performance (Q2):
वर्तमान प्रदर्शन स्तर (Q2):

_____

_____

Key Communication (words/phrases/sentences) to be developed (Q2):
प्रमुख संवाद (शब्द/वाक्यांश/वाक्य) जिसे विकसित किया जाना है (Q2):

_____

_____

Strategies for achieving the specified goal (Q3) *(mention the activities, reinforcement, teaching strategies and materials used)* **निर्धारित लक्ष्य प्राप्त करने की रणनीतियाँ (*Q2)*** (*गतिविधियाँ, प्रोत्साहन, शिक्षण रणनीतियाँ एवं प्रयुक्त सामग्री का उल्लेख करें*):

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

Evaluation (Q2): *(present level of student after implementation of IEP, new strengths of the student recognized, difficulty faced by teacher during implementation of IEP)* **मूल्यांकन (*Q2*):** (*आईईपी कार्यान्वयन के बाद छात्र का वर्तमान स्तर, पहचानी गई नई क्षमताएँ, शिक्षक द्वारा कार्यान्वयन के दौरान अनुभव की गई कठिनाइयाँ*)

_____

_____

_____

Coordinator's Signature: _____ Educator's Signature: _____
समन्वयक का हस्ताक्षर: _____ शिक्षक का हस्ताक्षर: _____

Note: Details of Quarter 3 to be written after completing Q2 evaluation
नोट: तिमाही २ (Q2) के मूल्यांकन को पूरा करने के बाद तिमाही ३ (Q3) का विवरण लिखा जाएगा।

Q3. Objective/ Short term goal: (From Date: …… to: ……..)
Q3. उद्देश्य/लघु अवधि का लक्ष्य: (तिथि से: …… तक: ……..)

Current level of performance (Q3):
वर्तमान प्रदर्शन स्तर (Q3):

Key Communication (words/phrases/sentences) to be developed (Q3):
प्रमुख संवाद (शब्द/वाक्यांश/वाक्य) जिसे विकसित किया जाना है (Q3):

_____

_____

_____

Strategies for achieving the specified goal (Q3) *(mention the activities, reinforcement, teaching strategies and materials used)* **निर्धारित लक्ष्य प्राप्त करने की रणनीतियाँ (*Q3)*** *(*गतिविधियाँ, प्रोत्साहन, शिक्षण रणनीतियाँ एवं प्रयुक्त सामग्री का उल्लेख करें*):*

_____

_____

_____

_____

_____

Evaluation (Q3): *(present level of student after implementation of IEP, new strengths of the student recognized, difficulty faced by teacher during implementation of IEP)* **मूल्यांकन (*Q3*):** *(*आईईपी कार्यान्वयन के बाद छात्र का वर्तमान स्तर, पहचानी गई नई क्षमताएँ, शिक्षक द्वारा कार्यान्वयन के दौरान अनुभव की गई कठिनाइयाँ*)*

_____

_____

_____

_____

Coordinator's Signature: _____ Educator's Signature: _____
समन्वयक का हस्ताक्षर: _____ शिक्षक का हस्ताक्षर: _____

Note: Details of Quarter 4 to be written after completing Q3 evaluation
नोट: तिमाही ३ (Q3) के मूल्यांकन को पूरा करने के बाद तिमाही ४ (Q4) का विवरण लिखा जाएगा।

Q4. Objective/ Short term goal: (From Date: …… to: ……..)
Q4. उद्देश्य/लघु अवधि का लक्ष्य: (तिथि से: …… तक: ……..)

Current level of performance (Q4):
वर्तमान प्रदर्शन स्तर (Q4):

Key Communication (words/phrases/sentences) to be developed (Q4):
प्रमुख संवाद (शब्द/वाक्यांश/वाक्य) जिसे विकसित किया जाना है (Q4):

Strategies for achieving the specified goal (Q3) *(mention the activities, reinforcement, teaching strategies and materials used)* **निर्धारित लक्ष्य प्राप्त करने की रणनीतियाँ (*Q4)*** *(*गतिविधियाँ, प्रोत्साहन, शिक्षण रणनीतियाँ एवं प्रयुक्त सामग्री का उल्लेख करें)*:*

_____

_____

_____

_____

_____

Evaluation (Q4): *(present level of student after implementation of IEP, new strengths of the student recognized, difficulty faced by teacher during implementation of IEP)* **मूल्यांकन (*Q4):*** *(*आईईपी कार्यान्वयन के बाद छात्र का वर्तमान स्तर, पहचानी गई नई क्षमताएँ, शिक्षक द्वारा कार्यान्वयन के दौरान अनुभव की गई कठिनाइयाँ*)*

_____

_____

_____

Coordinator's Signature: **समन्वयक का हस्ताक्षर:**	Educator's Signature: **शिक्षक का हस्ताक्षर:**	Parent Signature: **अभिभावक के हस्ताक्षर:**
_____	_____	_____

Guidelines to prepare the IEP
आईईपी तैयार करने के लिए दिशानिर्देश

- **Duration of IEP**
  आईईपी की अवधि

- IEP is prepared for one particular academic year e.g. June 2024 up to May 2025
  आईईपी एक विशेष शैक्षणिक वर्ष के लिए तैयार किया जाता है, उदाहरण के लिए: जून २०२४ से मई २०२५ तक।

- What if a new student joins in the middle of the academic year?
  Example: A new student joins school in July 2024 and IEP is prepared by October 2024, then plan goals from November 2024 up to the end of that particular academic year e.g. May 2025. For the next academic year, make annual goals from June 2025 up to May 2026.
  अगर कोई नया छात्र शैक्षणिक वर्ष के बीच में शामिल होता है तो क्या किया जाए?
  उदाहरण: यदि कोई नया छात्र जुलाई २०२४ में स्कूल में प्रवेश करता है एवं उसका आईईपी अक्टूबर २०२४ तक तैयार किया जाता है, तो लक्ष्यों की योजना नवंबर २०२४ से उस शैक्षणिक वर्ष (मई २०२५) के अंत तक बनाई जानी चाहिए। अगले शैक्षणिक वर्ष के लिए वार्षिक लक्ष्य जून २०२५ से मई २०२६ तक निर्धारित किए जाएँ।

- **Time needed to prepare IEP for new students**
  नए छात्रों के लिए आईईपी तैयार करने में लगने वाला समय
  - For those who receive home based services or receive less hours of service- minimum **2 months, maximum 3 months** required to observe, carry out assessment of all the areas and write current performance level (all the areas) of the student and then prepare IEP.
    जो छात्र घर पर सेवाएँ प्राप्त करते हैं या जिनकी सेवाओं की अवधि कम होती है- उनके लिए न्यूनतम २ महीने एवं अधिकतम ३ महीने का समय आवश्यक होता है जिससे छात्र का अवलोकन किया जा सके, सभी क्षेत्रों का आंकलन किया जा सके एवं वर्तमान प्रदर्शन स्तर दर्ज करके आईईपी तैयार किया जा सके।

  - For students who receive regular service, minimum **1 month or maximum 2 months** required to complete the above process and then to prepare IEP.
    जो छात्र नियमित सेवाएँ प्राप्त करते हैं- उनके लिए न्यूनतम १ महीना एवं अधिकतम २ महीने का समय लिया जा सकता है।

- **Annual Goals** need to be **SMART**
  वार्षिक लक्ष्य SMART होने चाहिए
  - S – Specific विशिष्ट
  - M – Measurable and observable मापनीय एवं प्रत्यक्ष
  - A – Achievable प्राप्त करने योग्य
  - R - Relevant / Realistic प्रासंगिक / यथार्थवादी
  - T - Time Bound समयबद्ध

- **Objectives / Short term goals** also need to be **SMART**

उद्देश्य/लघु अवधि के लक्ष्य भी SMART होने चाहिए

- **Objectives / Short term goals**
  उद्देश्य/लघु अवधि के लक्ष्य

  - Each annual goal should be divided into **quarterly** objectives/short term goals
    प्रत्येक वार्षिक लक्ष्य को चार तिमाही उद्देश्यों में विभाजित करना आवश्यक है।
  - Write all the 4 quarterly objectives at the beginning itself.
    सभी चार तिमाही उद्देश्यों को शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत में ही लिखना होगा।
  - Details (key communication words, strategies, activities, reinforcement, materials used) of Q1 also needs to be written in the beginning.
    प्रथम तिमाही (Q1) का विवरण (मुख्य संवाद शब्द, रणनीतियाँ, गतिविधियाँ, प्रोत्साहन एवं उपयोग की जाने वाली सामग्रियाँ) शुरुआत में ही लिखनी होगी।
  - Details of Q2, Q3, Q4 need to be written ONLY after evaluation of previous quarter.
    Q2, Q3, Q4 के विवरण केवल पिछले तिमाही के मूल्यांकन के बाद ही लिखे जाएँगे।
  - Take print out of the format, consisting all quarters, from the very beginning.
    शुरुआत में ही पूरे शैक्षणिक वर्ष के लिए तैयार किया गए प्रारूप का प्रिंट आउट लिया जाना चाहिए।
  - For exceptional cases, objectives could be made for 4 months.
    कुछ विशेष परिस्थितियों में उद्देश्यों को चार महीनों के लिए बनाया जा सकता है।

Under what circumstances can we plan objectives for 4 months?
किन परिस्थितियों में हम ४ महीने की अवधि के लिए लक्ष्य बना सकते हैं?

Decision is taken based upon the duration and frequency of the intervention received by a particular student. Examples of some of the exceptional situations: लक्ष्य की योजना छात्र द्वारा प्राप्त सेवाओं की अवधि एवं आवृत्ति के आधार पर बनाई जाती है। कुछ विशेष स्थितियाँ निम्नलिखित हैं:

- Centre has very long vacations केंद्र में बहुत लंबी छुट्टियाँ होती हैं।
- Due to certain constraint, student receives inconsistent service किसी विशेष कारण से छात्र को अनियमित सेवाएँ मिलती हैं।
- Due to certain constraint, student receives very few sessions in a month e.g. 2-3 sessions in a month. किसी कारणवश छात्र को महीने में बहुत कम दिन सेवाएं मिलती हैं, उदाहरण के लिए सिर्फ २-३ दिन प्रति माह।

- **Evaluation**
  मूल्यांकन

  - Evaluation must be done after every short-term objective
    प्रत्येक लघु अवधि के लक्ष्य/उद्देश्य के पूरा होने के बाद मूल्यांकन आवश्यक है।

****